2, 56. = अवज्ञात Gatadu. im CKDa. mit Geringachtung behandelt Jagn. 1,70. Spr. 2319. 4976. Hir. 92,5. MBH. 2,2292. 3,13240. 知行中 sich selbst gering acktend 1259. Etwas nicht beackten: संकर्षपास्य मतीक्तां भारतीं परिभूष स्राप. ५७७७. तपः परिभवन्मम ११३७१. परिभृताज्ञः Мирила. 67,11. दितिजेन — परिभृतसेतव: Вилс. Р.7,8,48. लोकपरिभृतेन (= ेनिन्दितन Schol.) वेषेण eine Kleidung, über die die Leute spotten, МВн. 4,572. — 6) Jmd (acc.) Schande machen: क्रूनपश्भिवेत्सर्वान्पा-ञ्चालानपि भारत । पाएउवेयां श्च संप्राप्ता मम लेशा कि das mir widerfahrene Leid macht den Kuru, den Pankala und den Pandu-Söhnen Schande MBH. 4,615. die Scholien erklären: मम मत्संबन्धी मित्रिमित्तकः कचयकादिः भ्रयं क्लेशः पाएउवेपान् पृष्मान्प्राप्तः सन्क्रून्पञ्चालाश्च पार्-भवेत् नाशयेत्. -7) = पराभू hinschwinden: यस्य बुद्धिः परिभवेत् Spr. 2439. — Nach Cabdar. im CKDr. ist पार्भत auch = अप्रस्तुत; Rr. 4,15 ist statt परिभूत mit einer Hdschr. परिभृत zu lesen und dieses vom vorangehenden Worte zu trennen. Vgl. परिभव fgg., परिभू fg. — caus. 1) enthalten, in sich schliessen: कामाः स्वाराज्यपरिभाविताः (स्वाराज्येन स्वत्रपसंबेन परि श्रतिशायिताः Schol.) Buis. P. 9, 4, 25. परिभावितव Schol. zu RV. Prar. 2,5. - 2) einweichen, tränken, benetzen Sugn. 1, 139,7. रसेन तेषा परिभाट्य मुद्रान् 161,19. 2,44,13. Çânne. Sann. 3,13, 64. — 3) läutern: भावयोगपरिभावितकृत्सरेात Bula. P. 3,9,11. 5,1, 27. 13,6. - 4) sich denken, sich vorstellen: मक्तात्मिभ: स्वकृद्ये परि-भाविताय ज्ञानात्मने भगवते Bala. P. 8,3,18. 9,8,23. bedenken, nachdenken über: सानन्दं श्र्तमर्थं परिभावपति PRAB. 115,3. परिभाव्याद्भतं तत् Riéa-Tar. 4,252. Pankar. ed. orn. 40,16. पश्चिमाच्य बङ्घन्यन्यान् Verz. d. Oxf. H. 160,b, No. 352, Çl. 4. 239,b, No. 580. erkennen als: क्राउट्स बाधमद्वेतमात्मानं परिभावय Asmilv. 1, 13. तेभ्यः परान्नः परिभावयस्व Naish. 10, 47.

- संपरि geringachten: स्रेंबेविक्तिन: पुरुष: परै: संपरिभूपते MBH. 3, 18230. — caus. zusammenhalten, festmachen: एवमेवेन्द्रिपयामं शनै: सं-परिभावपेत् MBH. 12, 7147. = मूर्त्यायाकारं नयेत् Schol. Vgl. परिभावन, welches der Schol. durch मूर्त्यायाकारेण परिकल्पनम् in eine feste Form bringen erklärt.

— प्र, प्रभवाणि P. 8, 4, 16, Sch. Vop. 8, 22. 1) hervorkommen, entspringen, entstammen, entstehen: स्रात्मना उङ्गानि प्रभवति ÇAT. BR. 1, 3, 2, 2. 2,2,4,6. 4,2,2,5. निकतादापः प्रभवत्ति 9,1,2,24. किमवतः प्रभवति ग-ङ्गा Sch. zu P. 1,4,31. 4,3,83. मुस्वाइतायाः प्रभवत्ति नयः Spr. 847. य-या मुदीप्तात्पावकादिस्फ्लिङ्गाः सक्स्रशः प्रभवते सद्रपाः Muṇp. Up. 2, 1, ा. (शराः) प्रभवतः शरासनात् MBн. 4, 1865. बीजाद्वीजम् Spr. 1541. ततः प्रजानां पतयः प्राभवन् мвн. 1,33. ततः प्रभृति चाप्यन्ये प्राभवनारुसाः स्-ता: 3,17164. मर्रीचेर्प: प्रबभ्व प्रजापित: Сіж. 168. Вилтт. 8,72. Ragu. 10, 51. MBGB. 15. प्रभवित यता लोकाः KATBÅS.28,182. श्रव्यक्ताद्यक्तयः सर्वाः प्रभवत्यक्रागमे Вилс. 8,18. प्रभवति गायाः Lî.ग. 10,6,13.7,13. दात्प्रति-म्रहीत्भ्यां सर्वार्थाः प्रभवित्त हि R.1,73,11.लोभात्त्रेनाधः Spr.2687.धर्मार्द्थः प्रभवति धर्मात्प्रभवते सुखम् ४२५७. षड्मिः प्रकोरैः प्रभवति रागाः ३४१८. Kim. Nitis.13,86. वने अपि दाषाः प्रभवति रागिणाम् zum Vorschein kommen Spr. 2717. प्रभवति लघ्यंत्रापात्यः erscheint so v. a. ist Çaut. 39. यंत्रेव प्रभवेद्दत्स तज्ञामगुणकीर्तनम् geschieht, erfolgt Pankkar. 1, 10, 69. यवजनमनार्थलस्यप्रभृता zum Ziele geworden Dagan. in Benr. Chr. 180, 15. সমূন = তর্ন H. an. 3,273. Med. t. 122. — 2) hinausreichen über: रिपिमिन पृष्ठं प्रभवंत्रम् mehr als der Rücken tragen kann RV. 2, 13. 4. - 3) mehr werden: पश्चा रेवत्यां प्राभवन TBa. 1, 5, 2, 5. मिथ्नेन प्रभू-यासम् möchte ich um ein Kinderpaar reicher werden TS. 1,6, 4,4. zahlreich sein: प्राभवंस्तस्या विवेकविग्णाः क्रियाः Riéa-Tar. 5, 352. प्रभूत reichlich, viel, in grossem Maasse vorhanden, zahlreich AK. 3,2,12. H. 1425. an. 3,273. Med. t. 122. Halâj. 4,16. Çat. Br. 13,3,7,1. 知用 Lâţj. 5,1,12. Acv. Gruj. 2,7,4. Çânkh. Çr. 8,21,16. MBH. 1,713. 3. 2534. 13. 1493. R. 2, 32, 41. R. Gorr. 1, 13, 15. 6, 11, 31. Kâm. Nitis. 15. 7. Spr. 2601. VARAH. BRU. S. 28, 15. 43, 10. MARK. P. 69, 13. 120, 17. PANKAT. 6, 6. 36, 1. 76, 17. Hir. 45, 6. विद्याक्तर्मवयोबन्ध्वित्तैः Jàgh. 1, 116. प्रभूतना-गाञ्च MBn. 4, 382. Kam. Nitis. 18, 15. Varan, Bru. S. 30, 3. Kathas. 24,11. Pankar. 47,25. वर्षाणि 159.14. काल 4,17. 261, 10. भात 69, 8. व्यम् bejahrt Spr. 1864. प्रभूतमत्त्वकापे वा ein grosses oder ein kleines Werk 1863. ्रा grosse Schönheit Z. d. d. m. G. 14,569,15. जात्या-चत्ष्य Mank. P. 118, 48. द्राणीप्रभृतम्दरम् gross wie eine Wanne Sugn. 1,325,12. ЯНतत Рапкат. 71,19. 95,24. ЯНततम Dagar. in Benf. Chr. 180,45. am Ende eines comp. reich an, gesegnet mit: गुण े R. 5,90.13. म्रायागप्रयागकाषिवाणिड्य े Sandh. P. 4, 9, b. adv. sehr: प्रभुतात्क Kavald. 3, 118. प्रभता जित्रहच्य Pankar. 93, 24 so v. a. उपार्जितप्रभृतहच्यः — 🖘 valere, tüchtig sein, Geltung haben, stark werden, - sein, die Oberhand haben, die Macht besitzen, zu befehlen haben AV.3,29,2. ऋग मे ऽ स्त्रप्रभावस्य प्रभावः प्रभाविष्यति R. 2. 23, 38. प्रभवतित्रां। वेगोद्यं भ्वंगशिशाविषम् Spr. 5063. प्रताप: प्रभवन् Riga-Tar. 3, 325. न स्थले प्रभवते (जलचरः) Рамкат. 32, s. प्रभवति प्राय: प्रविष्ट: क्राल: Ver. in LA. (II) 30, 10. धना-त्कुलं प्रभवति MBs. 12, 226. Hasiv. 11190 (प्रभवमानेषु die neuere Ausg.). मार्जारे। मिक्षा मेषः काकः काप्रहपस्तथा। विश्वासात्प्रभवित Spr. 2191. जरः प्रभवति प्रायः १२८. ३७५३. प्रभविष्यावः wir wollen Macht gewinnen. herrschen MBu. 1,7640. KATUAs. 18,39. देव: प्रभवतीदानीम् so v. a. hat zu befehlen 27, 205. so v. a. regieren Rága-Тан. 5, 279. 6, 115. fg. प्रभन-त् vermögend, ein grosser Herr, Gebieter, mächtig: वासव Ragu. 9. 8. мви. 1,5956. प्रभा प्रभावताम् 13,1141. R. 6,12,7. Çâк. 79, 23. Mit gen. Macht haben —, verfügen können über: कर्य मत्यः प्रभवति वेदशास्त्रवि-र्म् M. 5, 2. MBn. 3, 12669 (med.). 13, 1310. Hariv. 864. fg. MBn. 7.2689. 12,6753. 13922. HARIV. 8206. R. 2,24,19 (23,2 GORR.). 6,100,4. MALAV. 72,18. प्रभवति च नरस्तावदेवेन्द्रियाणाम् Spr. 3168. न चाक् क्रिराज्यस्य प्रभवाम्यङ्गरस्य च к. 4,23,10. केषां प्रभवते राजा वित्तस्य мвн. 12,28×3. प्रभवामि सदा घत्याः 13, 1500. mit loc. dass.: प्रभवत्यो ७पि व्हि भर्तृष् कार्णकापाः कुरुम्बिन्यः Frauen, die ihre Gatten beherrschen, Malav. 17. यत्र मिप प्रेमकुरिलः कटातः — प्रभवति Spr. 814. प्रभवति मनिस विवेके। विडणामपि शास्त्रसंभवस्तावत् । यावत् u. s. w. 1861. मेरुाद्घः पुर इवेन्ड्रदर्शनाहुकः प्रकृषः प्रबभुव नात्मनि Ragn.3,17. मुदा शरीरे प्रब-भूव नात्मनः पर्याधिरिन्द्वर्यमूर्किता यथा Stu. D.72,11. Butc. P. 1.11,6. 9, 4, 14. 56. जीर्पामेवाधुनाङ्गेषु प्रभवतु Råéa-Tar. 3,816. mit dat. dass.: विधिर्णि न तेभ्यः प्रभवति Spr. 1431. प्रभवति मल्ला मल्लाप so v. a. gewachsen sein P. 2,3,16, Vartt. 2, Sch. भवत्संभावनोत्याय परिताषाय म्-र्हते — नाङ्गानि प्रभवित में Kumânas.6,59. mit einem infin. vermögen —. im Stande sein zu Mech. 11. Çâk. 157. Vier. 9. Ragh. 8, 44. Kathâs. 33,